

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर निदेशक,  
पशुपालन विभाग,  
उत्तराखण्ड गोपेश्वर, चमोली।

01 मई

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक अप्रैल, 2008

विषय:- पशुपालन सांख्यिकीय प्रकोष्ठ की स्थापना (50प्र०के०पो०) योजनान्तर्गत बजट अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-11/नि०/सांख्यिकी/बजट/2008-09 दिनांक 01 अप्रैल, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत उक्त योजनान्तर्गत रुपया 2214 हजार (रुपया बाइस लाख चौदह हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति व्यय हेतु आपके निर्वतन पर निम्न विवरणानुसार प्रादिष्ट करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

क्र० सं०	मद नाम	स्वीकृति (धनराशि हजार रुपये में)
अधिष्ठान मद 50-50 (केन्द्रांश + राज्यांश)		
1	01-वेतन	867
2	03-महंगाई भत्ता	651
3	04-यात्रा भत्ता	25
4	06-अन्य भत्ता	96
5	48-महंगाई भत्ता	433
योग अधिष्ठान व्यय		2072
आकस्मिक मद केवल राज्यांश		
6	05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	00
7	08-कार्यालय व्यय	10
8	11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	00
9	13-टेलीफोन व्यय	10
10	16-व्यावसायिक सेवा शुल्क	100
11	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	00
12	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	22
13	42-अन्य व्यय	00
14	47-कम्प्यूटर अनुक्षण/तत्संबंधी स्टेशनरी का क्रय	00
योग आकस्मिक व्यय		142
कुल योग अधिष्ठान + आकस्मिक व्यय		2214

धनराशि रुपया 2214 हजार (रु० बाइस लाख चौदह हजार मात्र)

2. स्वीकृत धनराशि का उपयोग समय समय पर शासन द्वारा जारी मितव्ययता सम्बन्धी शासनादेशों व वित्त हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों के अर्न्तगत किया जायेगा तथा केन्द्रांश प्राप्त होने पर धनराशि को समायोजित किया जायेगा।
3. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये।
4. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
5. इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकताअनुसार ही किया जाय।
6. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अर्न्तगत अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-113 प्रशासनिक अन्वेषण तथा सांख्यिकी-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0102-पशुपालन सांख्यिकीय प्रकोष्ठ की स्थापना (50 प्रतिशत केन्द्र पोषित) सुसंगत इकाई के अर्न्तगत वहन किया जायेगा।
7. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-23(P)/XXVII-4/2008 दिनांक 24 अप्रैल, 2008 के क्रम में उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,  
(अमरेन्द्र सिन्हा)  
सचिव।

संख्या-193 (1)/XV-1/2005-तददिनांक

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
2. प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास शाखा, देहरादून।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
6. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
7. आयुक्त कुमाँयू मण्डल/गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
11. गार्ड फ़ाइल।

आज्ञा से  
(जी०बी० ओली)  
संयुक्त सचिव।